अनियमितता

जरूरतमंदों तक नहीं पहुंच रहे कपड़े और जरूरत का सामान, उठने लगे सवाल

नेकी की दीवार ढहने की कगार पर

जबलपुर, नवभारत। शहर में समाजसेवा और सहयोग की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्थापित नेकी की दीवार अब खुद अव्यवस्थाओं का शिकार होती नजर आ रही है। मालूम हो कि आम नागरिकों द्वारा दान किए जाने वाले कपड़ों को जरूरतमंदों तक पहुंचाने की इस पहल पर अब गंभीर सवाल खड़े होने लगे हैं। हालात ऐसे बन गए हैं कि जिस व्यवस्था से गरीबों को राहत मिलनी थी, वही अब अपनी पारदर्शिता और प्रभावशीलता को लेकर कटघरे में खड़ी है। शहर के विभिन्न इलाकों में बनी नेकी की दीवार का उद्देश्य था कि आमजनों द्वारा अपने पुराने लेकिन उपयोगी कपड़े यहां छोड़ें और जरूरतमंद लोग अपनी जरूरत के अनुसार उन्हें ले सकें। शुरुआत में इस पहल को लोगों का अच्छा समर्थन भी मिला, लेकिन अब स्थिति बदलती दिखाई दे रही है।

रेलवे स्टेशन के पास हटाई गई सुविधा

सूत्रो से मिली जानकारी अनुसार रेलवे स्टेशन के समीप स्थापित नेकी की दीवार को हाल ही में हटा दिया गया है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पहले यहां बड़ी संख्या में लोग कपड़े दान करने आते थे और जरूरतमंदों को भी आसानी से कपड़े मिल जाते थे। लेकिन इस सुविधा के हटने के बाद जरूरतमंदों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

सिविक सेंटर में सामने आई अनियमितताएं

वहीं सिविक सेंटर स्थित नेकी की दीवार को लेकर भी कई शिकायतें सामने आई हैं। नवभारत टीम द्वारा की गई पड़ताल में यह बात सामने आई है कि यहां रखे गए कपड़े जरूरतमंदों तक सही तरीके से नहीं पहुंच रहे हैं। आरोप है कि फेरी वाले इन कपड़ों को पहले ही उठा लेते हैं और बाद में उन्हें बाजार में बेच देते हैं, जिससे इस सामाजिक पहल का मूल उद्देश्य प्रभावित हो रहा है।

निगरानी का अभाव

सिर्फ सिविक सेंटर ही नहीं शहर के अन्य इलाकों में संचालित नेकी की दीवार में भी देखरेख की कमी स्पष्ट रूप से नजर आती है। स्थानीय लोगों के अनुसार यहां प्रतिदिन लगभग 40 से 50 कपड़े जमा होते हैं। हालांकि कुछ जरूरतमंद लोग यहां से कपड़े लेकर जाते हैं, लेकिन समुचित निगरानी के अभाव में यह सुनिश्चित नहीं हो पाता कि कपड़े सही हाथों तक पहुंच रहे हैं या नहीं।

नहीं है कोई व्यवस्था

प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार, मप्र उच्च न्यायालय के पास वर्तमान में कोई नेकी की दीवार संचालित नहीं हो रही है। इससे यह स्पष्ट होता है कि शहर के कई महत्वपूर्ण स्थानों पर इस तरह की सुविधाओं का अभाव है, जिससे जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाने में बाधा उत्पन्न हो रही है। वर्तमान हालात को देखते हुए यह जरूरी हो गया है कि प्रशासन इस व्यवस्था की नियमित निगरानी सुनिश्चित करे। साथ ही, उचित प्रबंधन और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि नेकी की दीवार जैसी पहल अपने मूल उद्देश्य को पूरा कर सके और दान किए गए कपड़े वास्तव में जरूरतमंदों तक पहुंच सकें।

इनका कहना है

यहां रखे गए कपड़े जरूरतमंदों तक पहुंचने से पहले ही फेरी वाले उठा ले जाते हैं, जिससे असल जरूरतमंदों को लाभ नहीं मिल पाता है।

सुनील कोष्ठा

अभी हाल फिलहाल मुझे इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है। संबंधित अधिकारी से बात कर कुछ बता पाऊंगा।

रामप्रकाश अहिरवार, कमिश्नर, नगर निगम

साइबर ठगों के मंसूबों पर पुलिस ने फेरा पानी

3 .50 करोड़ कराए होल्ड पीड़ितों को 70 लाख की रकम कराई वापस

नवभारत, जबलपुर। डिजिटल अपराधों के बढ़ते ग्राफ के बीच जबलपुर पुलिस साइबर अपराधियों पर प्रहार किया। वर्ष 2026 के शुरुआती आंकड़ों ने यह साफ कर दिया है कि पुलिस ठगों के मंसूबों पर पानी फेर रही है। साइबर अपराधियों की शामत आ गई है। नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल और स्थानीय थानों के समन्वय से अब तक करोड़ों रुपये की ठगी की राशि को रिकवरी सुरक्षित करने में सफलता मिली है।

जिले में इस वर्ष अब तक 712 शिकायतें नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर दर्ज की गई हैं। जैसे ही पीड़ित द्वारा साइबर सेल या स्थानीय थाने में सूचना दी पुलिस की तकनीकी टीम तत्काल हरकत में आकर ठगी गई राशि के ट्रांजेक्शन को ट्रैक किया। इसी सक्रियता का परिणाम है कि अब तक लगभग 3.50 करोड़ रुपये की राशि विभिन्न बैंक खातों में होल्ड, लीन कराई जा चुकी है। पुलिस ने न केवल राशि को फ्रीज कराया, बल्कि कानूनी प्रक्रिया पूरी कर अब तक लगभग 70 लाख रुपये पीड़ितों को वापस भी दिला दिए हैं। शेष राशि को भी पीड़ितों के खातों में वापस कराने के लिए वैधानिक कार्रवाई चल रही है। 65 ऐसी एफआईआर दर्ज की गई जो ई-एफआईआर और जीरो एफआईआर हैं। जिनकी गहन विवेचना साइबर विशेषज्ञों द्वारा की जा रही है।

1 से 2 घंटे अहम, बरतें सावधानी

पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि साइबर ठगी का शिकार होने पर शुरुआती 1-2 घंटे (गोल्डन ऑवर) बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। ठगी होते ही तुरंत पुलिस को सूचना दे और शिकायत दर्ज कराए। किसी भी एप को इंस्टाल करते समय मांगी जा रही परमिशन (फोटो, कॉन्टैक्ट, लोकेशन, एसएमएस, कैमरा आदि) को ध्यान से देखें और संदिग्ध एप को अनुमति न दें। कमाने का लालच देने वाले व्यक्तियों, ऐप्स से दूर रहें। अनजान से निवेश टिप्स न लें। किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें। बैंक खातो संबंधी एवं अन्य व्यक्तिगत जानकारी किसी प्रकार के लालच में आकर किसी से भी साझा न करें।

ऐसे ठगों को पुलिस दे रही चोट

सायबर अपराध पर नकेल लगाने पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय के निर्देश पर प्रत्येक थाने में सायबर हेल्प डेस्क शुरु की गई है। जिसका उद्देश्य पीडित के साथ सायबर धोखाधड़ी होने पर उसकी शिकायत गोल्डन आवर के भीतर पोर्टल पर दर्ज करना है जिससे अधिक से अधिक राशि को वित्तीय चैनल में ही रोका जा सके। ठगी के मामलों में तकनीकी विवेचना, कार्रवाई करने एएसपी अपराध जितेंद्र सिंह के मार्ग निर्देशन में उप पुलिस अधीक्षक साइबर अंजुल अयंक मिश्रा एवं समस्त साइबर सेल टीम द्वारा कार्यवाही कर राशि रिफंड होल्ड कराने की कार्यवाही की जा रही है।

रिमांड खत्म : तीन महिलाओं समेत आधा दर्जन गए जेल

ओडिशा से आई सात किलो गांजे की खेप का मामला

जबलपुर। तिलवारा पुलिस और क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने गढ़ा रेलवे स्टेशन के पास ओडिशा से आया 7 किलो 206 ग्राम गांजा समेत तीन महिलाओं को गिरफ्तार किया था जिन्हें कोर्ट में पेश कर पुलिस ने रिमांड लेकर पूछताछ की। जिसमें तस्करी नेटवर्क से जुड़े नए राज आरोपियों ने उगले। जिसकी जांच पड़ताल चल रही है। रविवार को रिमांड खत्म होने पर आधा दर्जन आरोपियों पुलिस ने पुन: न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है विदित हो कि क्राईम ब्रांच एवं तिलवारा पुलिस ने रेल्वे स्टेशन गढ़ा से लगे हुये चाय के ठेला के पास घेराबंदी करते हुए भुवनेश्वर कुम्भार पिता कुशमत कुम्भार 29 वर्ष, फगनु मांझी पिता लालू मांझी 27 वर्ष, सुनप हरिजन पिता सुन्दु हरिजन 29 वर्ष, काजल मांझी पिता लुकेश्वर मांझी 30 वर्ष, तपसनी दिगाल पति आलोक दिगाल 35 वर्ष, मनिनी दिगाल पति सुनप हरिजन 25 वर्ष सभी निवासी ओडिशा को दबोचा था। जिनके पास रखे बैगों में 7 किलो 206 ग्राम गांजा कीमती लगभग 3 लाख 60 हजार 300 रूपये का मिला था। थाना प्रभारी तिलवारा बृजेश मिश्रा ने बताया कि पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे ओडिशा में गांजे की खेती करते हैं और इसे जबलपुर निवासी पियूष कुशवाहा को बेचने के इरादे से यहां लाए थे। पुलिस पियूष कुशवाहा की तलाश कर रही है। इसके साथ ही आरोपियों को रिमांड में लेकर पूछताछ की गई जिसमें उन्होंने नई जानकारी पुलिस को दी है। जिसकी विस्तृत जांच चल रही है।

शहर की शांत फिजां में दहशतगर्दी की गूंज, खौफ का साया, सड़कों पर गूंजती गोलियां, गलियों से गायब खाकी

नवभारत, जबलपुर। शहर की शांत फिजां में अपराधियों ने दहशतगर्दी फैला दी है। नागरिक खौफ के साये में है। सड़कों में गोलियों की गूंज सुनाई दे रही है। डेढ़ माह के भीतर लगातार हुए गोलीकांड ने आम जनता की नींद उड़ा दी है। साथ ही सरेराह फायरिंग और बेखौफ घूमते बदमाशों ने पुलिस के सुरक्षा दावों की पोल खोल दी है। बदमाश खुलेआम कट्टा और पिस्टल दिखाकर धमकाने के साथ गोलियां चला रहे है। पुलिस मामले में एफआईआर कर भूल जाती है कोई ठोस कदम नहीं उठाती है जिसके चलते गोलीकांड की वारदातों में लगातार इजाफा होता जा रहा है। हाल में शहर में हुई एक के बाद गोली चलने की वारदातों ने पुलिस की सक्रियता पर सवाल खड़े कर दिए है साथ ही सड़कों पर अब खाकी डर और खौफ खत्म होता नजर आ रहा है। जिसका मुख्य कारण पुलिस की गश्त सिर्फ मुख्य चौराहों तक सीमित रहना है। जिसके चलते तंग गलियां अपराधियों का सेफ जोन बनती जा रही है । पुलिस की गश्त, खाकी के सायरन की गूंज मुख्य मार्गों तक गूंज रहे है, मोहल्लों और तंग गलियों में पुलिस का नामोनिशां तक नहीं है। अधिकतर आदतन अपराधी रात के अंधेरे में वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। पुलिस की रात्रिकालीन गश्त दिखवा बनकर रह गई है। अफसरों से लेकर पुलिस के पेट्रोलिंग और मोबाइल वाहन पर तैनात अधिकारी और जवान रात 12 बजे तक तो सड़कों पर नजर आते हैं, लेकिन इसके बाद पूरी गश्त दफ्तरों, वायरलेस सेट पर चलती है।

धराशायी खूफिया तंत्र बीट सिस्टम चरमराया

शहर में बढ़ते अपराध का सबसे बड़ा कारण पुलिस के खूफिया तंत्र का कमजोर होना है।

क्राइम पर नकेल कसने हर थाने में बीट सिस्टम लागू हुआ था। प्रत्येक थाने में दो से तीन बीट होती थी जिसमें एसआई या एएसआई स्तर के अधिकारी को प्रभार सौंपा जाता था । अपराधियों का डाटा अपडेट करने से लेकर उनकी जांच का जिम्मा भी दिया गया था लेकिन धीरे-धीरे अफसर इसे भूल गए और अब बीट बीट सिस्टम पूरी तरह चरमरा गया है। मोहल्लों में कौन संदिग्ध रह रहा है, किसके पास अवैध हथियार हैं, कहां से हथियार पहुंच रहे है, बड़े सप्लायर कौन है, इसकी जानकारी जुटाने में पुलिस का तंत्र नाकाम साबित हो रहा है। इक्का दुक्का या छुटपुट अपराधियों को पुलिस पकड़कर अपनी पीट थपथपा रही है। यही वजह है कि अपराधी वारदात को अंजाम देकर बड़ी आसानी से रफूचक्कर हो जाते है।

अब सिर्फ चैकिंग प्वांइट पैदल गश्त भूली पुलिस

अब सिर्फ चैकिंग प्वाइंट समय-समय पर लगते है पैदल गश्त पुलिस भूल चुकी है। जिसके चलते पुलिस की सक्रियता गलियों में कम हो गई है। पहले पुलिस रात में पैदल गश्त करती थी। गली मोहल्लों तक में पुलिस का दबदबा होता था लेकिन अब सिर्फ मुख्य मार्ग तक ही गश्त और पेट्रोलिंग हो रही है। पहले नागरिकों से सीधा थाना प्रभारियों का संपर्क होता था अब अधिकारी सिर्फ कार्यालयों में नजर आते है। सप्ताह में एक दिन जरूर दिखावे की गश्त हो रही है। अगर जल्द ही पुलिस ने अपनी कार्यप्रणाली नहीं बदली, तो अपराधियों को बेलगाम में अब देरी नहीं लगेगी।

शहर में पटाखों की तरह चल रही गोलियां

- 9 अप्रैल को बरेला अंतर्गत ग्राम परतला चौराहे पर रात 8:30 बजे स्कार्पियो सवार बदमाश नितिन मिश्रा ने मनीष पटेल पर फायर किया था। निशाना चूकने पर समीप खड़े कमलेश को गोली लग गई थी।
- 9 अप्रैल को शाम 7:30 बजे पाटन थाना अंतर्गत बेनीखेड़ा में जमीन विवाद में ठाकुर दास पटैल पर एक महिला ने मिर्ची झोंकी और इसके बाद उसके आधा दर्जन साथियों ने मारपीट कर उसे गोली मार दी।
- 9-10 अप्रैल की दरमियानी रात 12:45 बजे मदनमहल थाना अंतर्गत रानीपुर माली मोहल्ला में निर्माणाधीन मकान में घुसकर बदमाशों ने प्रॉपर्टी डीलर सचिन सैनी और उसके साथियों को धमकाया, पिस्टल से फायर किया ।
- 3 अप्रैल को माढ़ोताल थाना अंतर्गत मरघटाई के पास रितिक जायसवाल ने अवैध पिस्टल को लहराते हुए हवाई फायरिंग की थी। वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल किया था।
- 31 मार्च को घमापुर थाना अंतर्गत कांचघर में गैंगवार हुआ । यश थोराट और लकी यादव के गुटों में टकराव हुआ । दोनों पक्षों ने गोलियां चलाई। काउंटर केस दर्ज किया गया।
- 30 मार्च की रात 10:30 बजे माढ़ोताल थाना अंतर्गत निर्माणाधीन जबालीपुरम कॉलोनी में मोपेड सवार दो नकाबपोश बदमाशों ने फायरिंग करते हुए कॉलोनी में कॉलोनी में दहशतगर्दी फैलाई।
- 2 फरवरी को गढ़ा थाना अंतर्गत बेदी नगर छुई खदान में चौबीस घंटे के भीतर हत्या के मामले में जमानत पर छूटे कुख्यात बदमाश शिब्बू ने दो बार फायरिंग की थी।

ओबीसी अधिकारों को लेकर उग्र प्रदर्शन, राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

नवभारत, जबलपुर। संयुक्त पिछड़ा वर्ग मोर्चा, जबलपुर द्वारा महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती एवं संगठन के स्थापना दिवस के अवसर पर घंटाघर चौक पर जोरदार प्रदर्शन किया गया। बड़ी संख्या में एकत्रित कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री के नाम पाँच सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा। मोर्चा की प्रमुख मांगों में 'जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी' नीति लागू करना, जनगणना में ओबीसी का अलग कॉलम, जनसंख्या के अनुपात में शिक्षा-रोजगार में प्रतिनिधित्व, महिला आरक्षण में ओबीसी महिलाओं को आरक्षण के भीतर आरक्षण तथा ईवीएम हटाकर बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग शामिल रही। कार्यक्रम में संयोजक रामरतन यादव के नेतृत्व में बैजनाथ कुशवाहा, घनश्याम यादव, देवेश चौधरी, नोखे लाल प्रजा, रामराज सरपंच, एडवोकेट नरेश चक्रवर्ती, परमानंद साहू, नेम सिंह मरकाम, गया प्रसाद कुशवाहा, राजकुमार यादव, संजय प्रजापति, वृंदावन वर्मा, धर्मेंद्र कुशवाहा, जोगिंदर प्रजापति, रज्जन यादव, इंद्र कुमार कुलस्ते, राजेंद्र पिल्ले, राजेंद्र केवट, सलीम मंसूरी, इस्तकार अहमद, मुन्ना, रंजीत सोनी, एकता साहू, दीपांशु साहू, धनराज सिंह पुसाम, उमेश यादव, शारदा यादव, अमित पांडे, सोनेलाल कुशवाहा, विनोद कोल, नरेश सिंह कुलस्ते, बाल कृष्णा उईके सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

युवक पर चाकू से हमला

जबलपुर । ग्वारीघाट थाना क्षेत्र में शराब पीने रूपए न देने पर एक युवक पर चाकू से हमला कर दिया गया। पुलिस ने रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक रविवार शाम संजय अहिरवार 21 वर्ष निवासी रामलला मंदिर के पास पुरानी बस्ती ग्वारीघाट ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि साउथ एवेन्यू माल मूवी मैजिक में हाउस कीपिंग का हेड ब्याय है सुबह 11 बजे से रात 9 बजे तक ड्यूटी थी दोपहर करीब 1 बजे वह मूवी मैजिक के रसोई घर में काम कर रहे सफाई कर्मचारी को चैक करने गया, तभी किचन में काम करने वाला अर्पित वर्मा ने बोला कि आज तेरे से शराब पीना है, शराब पीने के लिये 500 रूपये दे उसने पैसे देने से मना किया तो उसके साथ हाथ घूसो से मारने लगा और वहीं किचन में रखी सब्जी काटने वाली चाकू उठा कर मारा जिससे उसके सिर में चोट आ गई।

स्वच्छता का जन-आंदोलन पकड़ रहा गति

अब पार्षद और जनता ने थामी झाड़ू

नवभारत, जबलपुर। शहर को स्वच्छता के शिखर पर पहुँचाने के लिए नगर निगम का अभियान अब एक जन-आंदोलन बनता जा रहा है। निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के मार्गदर्शन में शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के प्रयास युद्ध लगातार जारी हैं। उन्होंने कहा कि शहर की स्वच्छता तभी स्थाई होगी जब इसमें हर नागरिक की भागीदारी होगी। स्वच्छता के प्रति इसी समर्पण की एक प्रेरक तस्वीर चेरीताल वार्ड में देखने को मिली। यहाँ स्थानीय पार्षद प्रतिभा भापकर ने केवल निर्देशों तक सीमित न रहकर स्वयं जमीन पर उतरकर कमान संभाली। वार्ड की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए उन्होंने स्थानीय निवासियों के साथ मिलकर झाड़ू थामी और सड़कों की सफाई की। इस अभियान की खास बात यह रही कि यहाँ केवल कचरा ही नहीं हटाया गया, बल्कि वार्ड को 'विजुअल ट्रीट' देने का प्रयास भी हुआ। पार्षद और उनके साथियों ने मिलकर वार्ड की दीवारों पर आकर्षक पेंटिंग बनाई। कला के माध्यम से स्वच्छता का संदेश देने की इस पहल की स्थानीय लोगों ने जमकर सराहना की है।वहीं आयुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने दोहराया कि जबलपुर को स्वच्छ बनाने के प्रयास निरंतर जारी रहेंगे।

वर्क फ्रॉम होम के नाम पर कॉलेज छात्रा से ठगी

धोखाधडी का प्रकरण दर्ज

जबलपुर। घमापुर थाना अंतर्गत कांचघर निवासी एक कॉलेज छात्रा को वर्क फ्रॉम होम के नाम पर एक लाख चार हजार रूपए का चूना लगा दिया गया। पुलिस ने रिपोर्ट पर एफआईआर दर्ज कर ली है।

पुलिस के मुताबिक कु. अलीसा सैमुअल 21 वर्ष निवासी कांचघर समदड़िया कॉलोनी घमापुर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह सेंट अलासियस कॉलेज से बीए की पढ़ाई कर रही है लगभग 3 माह पूर्व अपने मामा की शादी में रायपुर छत्तीसगढ़ गयी थी उसी दौरान रायपुर में उसे टेलीग्राम के माध्यम से यूजर कनिका सिंह रिशेपनिष्ट द्वारा वर्क फ्रॉम होम का जॉब आफर किया जिसमें यू ट्यूब के वीडियोज लाईन करने थे और पेमेन्ट रिसीव करने के लिये आनलाईन ट्रेडिंग उनके द्वारा भेजी गयी साईड पर करना था जिस पर उन्हौंने कहा कि पेमेन्ट आनलाईन स्कैनर भेजा उस पर पैसे डालना था तो उसके द्वारा गूगल पे के माध्यम से उनके द्वारा भेजे गये स्कैनर पर शुरूआत में 1 हजार रूपये, 1500 रूपये भेजे गये थे फिर उनके द्वारा अलग अलग यूपीआई नम्बर भेजने पर उसके द्वारा 11 हजार 495 रूपये, 4 हजार रूपये, 9 हजार 900 रूपये तथा उसके खाता में पैसे खत्म हो गये थे तो उसने अपने दोस्त क्रिस्टोफर रस्टिन के खाते से 5500 रूपये, 13 हजार रूपये, 50 हजार रूपये, 8 हजार रूपये डलवाये थे अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसके साथ धोखाधड़ी कर उससे कुल 1 लाख 4 हजार रूपये का ट्रांजेक्शन गूगल पे के माध्यम किया गया है।

जैविक हाट

कृषि उपज मंडी में लगा जैविक हाट बना लोगों की पसंद

भिलवां और महुआ के उत्पाद रहे आकर्षण का केंद्र

नवभारत, जबलपुर। कृषि उपज मंडी जबलपुर में प्रत्येक रविवार को लगाये जा रहे साप्ताहिक जैविक हाट में इस रविवार को भी नागरिकों की बड़ी संख्या में उपस्थिति दिखाई दी। जैविक खेती को बढ़ावा देने तथा किसानों को उनके उत्पादों का उचित मूल्य दिलाने के उद्देश्य से आयोजित इस हाट में लोगों की रुचि लगातार बढ़ रही है। जैविक हाट में उपभोक्ताओं द्वारा रसायन मुक्त एवं ताजे कृषि उत्पादों की खरीदारी में विशेष दिलचस्पी दिखाई जा रही है, जिससे किसानों को सीधे बाजार उपलब्ध हो रहा है और उनकी आय में वृद्धि के अवसर भी बढ़ रहे हैं। जैविक हाट में कुंडम क्रॉप प्रोड्यूसर कंपनी के

भिलावा एवं महुआ आधारित उत्पादों ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया और इन्हें काफी पसंद किया गया। जैविक हाट में उपभोक्ताओं ने किसानों से सीधे संवाद भी किया और उत्पादों की गुणवत्ता एवं उत्पादन पद्धति के संबंध में जानकारी प्राप्त की। नागरिकों ने बताया कि किसानों से सीधे खरीदारी करने से उत्पादों की शुद्धता के प्रति विश्वास बढ़ता है तथा ताजे एवं गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध होते हैं। कई उपभोक्ताओं ने नियमित रूप से जैविक हाट से खरीदारी करने की बात भी कही

उप संचालक ने किया निरीक्षण

उप संचालक कृषि डॉ एस के निगम ने जैविक हाट का निरीक्षण कर किसानों एवं उपभोक्ताओं से चर्चा की। अनुविभागीय कृषि अधिकारी सिहोरा श्रीमती मनीषा पटेल के नेतृत्व में वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी जे एस राठौर, कृषि विस्तार अधिकारी वृषभान अहिरवार, अदिति सिंह, प्राची बर्मन, साक्षी तिवारी, सुमित पाटकर, काजल पांडे, साहब लाल पटेल एवं साक्षी ओझा ने जैविक हाट के सफल संचालन की जिम्मेदारी निभाई गई।

31 कृषकों ने किया उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय

जैविक हाट में जिले के विभिन्न विकासखंडों से आए लगभग 31 कृषकों ने अपने उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय किया। हाट में हरी सब्जियां, फल, अनाज, दलहन, मोटे अनाज (मिलेट्स), देशी घी, दुग्ध उत्पाद सहित विभिन्न रसायन मुक्त एवं प्राकृतिक उत्पाद उपलब्ध रहे। गन्ने का ताजा रस, कच्ची घानी से तैयार सरसों, मूंगफली एवं अलसी का तेल विशेष आकर्षण का केंद्र रहे।